महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी का ३३वां जनसंपर्क सम्मेलन सम्पन्न

हिंदी के साथ जनसंपर्क को आगे ले जाए-डॉ. अजीत पाठक

वर्धा दि.२५ दिसंबर २०११: भारत में हिंदी भाषा का विस्तार काफी बडा है। बढते वैश्विकरण के चलते आज हमें जनसंपर्क के लिए भारत में हिंदी भाषा ही एकमात्र ऐसी भाषा नजर आ रही है जिससे कि हम अपनी बात पूरजोर तरीके से अपने लक्ष्यीत समूहों तक पहुंचा सकते हैं। पिछले ६० वर्षों में भारत भाषा के आधार पर एक नही हो सका परंतु हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसे बढावा देने से देश एक सूत्र में बंध सकता है। उक्त उद्‌बोधन पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने दिए। वे वर्धा स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 'महात्मा गांधी और जनसंपर्क' विषय पर आयोजित चर्चासत्र में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. के.जी. खामरे ने की। इस अवसर पर मंच पर इंटरनेशनल पब्लिक रिलेशन्स एसोसिएशन, इंग्लैंड के अध्यक्ष रिचर्ड लिनिंग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के जनमाध्यम के मीडिया गुरू प्रो. राम मोहन पाठक, पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी बनारस चैप्टर के नरेंद्र मेहता, विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल के. राय अंकित तथा पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी के नागपुर चैप्टर के अध्यक्ष एस. पी. सिंह मंचासीन थे।

डॉ. अजीत पाठक ने भाषा की शक्ति और गांधी जी के जनसंपर्क का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधी जी ने अपनी बात लोगों तक प्रभावी माध्यम से पहुंचाने के लिए हिंदी भाषा का चुनाव किया था। जनसंपर्क की सफलता की मिसाल गांधी जी ने अपने विभिन्न आंदोलनों के माध्यम से स्थापित की थी। भाषा प्रभावी हो तो जनसंपर्क भी उतनाही प्रभावी हो सकता, इसका पता गांधी जी के जनसंपर्क से चलता है।

शनिवार दि. २४ दिसंबर को विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर प्रेक्षागार में अपने संबोधन में प्रो. राम मोहन पाठक ने गांधी जी के जनसंपर्क को मूल्य और व्यवहार से जोडते हुए कहा कि जनसंपर्क की दृष्टि से गांधी जी एक आदर्श प्रतिमान साबित होते हैं। गांधी जी के समय आज जैसा तकनीकी विकास नहीं था परंतु उनके जनसंपर्क का हथकंडा इतना मजबूत था कि उन्होंने देश और दुनिया में उसे आजमाया और वह प्रभावी भी रहा। गांधी और हिंदी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गांधी जी ने अपने पुत्र देवदास को हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए चेन्नई

भेजा था। दक्षिण हिंदी प्रचार सभा की स्थापना उसी का प्रतिफल है। परिणाम यह हुआ कि आज भी वहां हर महीने हिंदी का मेला लगता है और लोग हिंदी जानने-सीखने के लिए इकठ्ठा होते हैं। जिस प्रकार बुध्द धम्म के प्रचार के लिए सम्राट अशोक ने पुत्री संघमित्रा और पुत्र महेन्द्र को श्रीलंका भेजा था वही काम गांधी जी ने अपने पुत्र को भेजकर किया। प्रो. पाठक ने बताया कि किसी भी ब्रांड के प्रचार प्रसार के लिए जनसंपर्क विधा एक प्रेरक शक्ति है। इस अवसर पर महावितरण के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुधीर जाधव, मुंबई तथा टाटा मेमोरिएल हॉस्पीटल, मुंबई के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी डॉ. एस. एच. जाफरी ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पब्लिक रिलेशन्स इन पब्लिक सेक्टर पर अपनी प्रस्तुति दी।

प्रो. अनिल के राय अंकित ने स्वागत वक्तव्य दिया। पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी का धन्यवाद जताते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में गांधी जी के जनसंपर्क को लेकर किये गये इस आयोजन से हिंदी विश्वविद्यालय अभिभूत हुआ है। उन्होंने कुलपति विभूति नारायण राय, प्रतिकुलपति प्रो. ए. अरविंदाक्षन तथा कुलसचिव डॉ. के. जी. खामरे को इस आयोजन के लिए प्रेरणा देने के प्रति उनका आभार जताया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों का चरखा, शॉल और नारियल प्रदान कर स्वागत किया गया। समारोह का संचालन पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया, नागपुर चेप्टर के अध्यक्ष एस. पी. सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी एस. बी. गवई, प्रो. के. के. सिंह, एम. एल. कासारे, राज किशोर, डॉ. डी. एन. प्रसाद, डॉ. अनवर सिद्दीकी, राजेश लेहकपुरे, के. के. त्रिपाठी, निशीथ राय, विरेन्द्र यादव, दैनिक हिंदी मिलाप, आंध्र के प्रकाश जैन, अमर उजाला के प्रदीप कुमार उपाध्याय, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, जयपुर के जनसंपर्क अधिकारी रवि शंकर शर्मा, नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चर रिसर्च मैनेजमेंट, हैदराबाद की जनसंपर्क अधिकारी अनीजा, डीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के डेप्युटी जनरल मैनेजर जे.पी. धौंडियाल, दिल्ली मेट्रो रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनुज दयाल, भाक्रा बीन्स मैनेजमेंट बोर्ड के संयुक्त निदेशक, जनसंपर्क वी. पी. शर्मा, तथा आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, असम, केरल, दिल्ली आदि राज्यों से आए करीब १५० प्रतिनिधि उपस्थित थे।

<u>पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी का खुलेगा वर्धा चैप्टर</u>

अभी तक पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी का वर्धा चैप्टर अस्तित्व में नहीं था परंतु शनिवार के इस आयोजन में पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और इंटरनेशनल पब्लिक रिलेशन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष की मौजुदगी में पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी ऑफ इंडिया के वर्धा चेप्टर की स्थापना की घोषणा की गयी। विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. अनिल राय अंकित के आह्वान को पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी के एस. पी. सिंह ने सहर्ष स्वीकारते हुए यह घोषणा की। साथ ही जयपुर, चंढीगड, कोलकाता, नागपुर चैप्टर के अध्यक्षों की गौरवमयी उपस्थिति में देश भर से आए जनसंपर्क अधिकारियों, अकादमिकों एवं जनसंपर्क विद्यार्थियों की विशाल मौजुदगी में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर एस.पी. सिंह ने यह घोषणा की और कहा कि नए वर्ष में गणतंत्र दिवस के पूर्व इस संगठन का सूर्योदय हो जाएगा।

रिचर्ड लिनिंग और डॉ. पाठक ने किया गांधी हिल्स पर वृक्षारोपन

इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के गांधी हिल्स पर पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक तथा इंटरनेशनल पब्लिक रिलेशन्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रिचर्ड लिनिंग के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्ताधिकारी एस. बी. गवई, पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी के पदाधिकारी तथा जयपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम एवं देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे

जनसंपर्क अधिकारी, मगांअंहिंविवि, वर्धा

9960562305